

## व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि – मुर्गी पालन  
द्वारा  
सनराइज पोल्ट्री फार्म-स्वयं सहायता समूह



एसएचजी/सीआईजी नाम	:: सनराइज पोल्ट्री फार्म
वीएफडीएस नाम	:: चौरा
श्रेणी	:: भभा नगर
विभाजन	:: किन्नौर

इसके तहत तैयार:



**हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार  
परियोजना (जाईका सहायता प्राप्त)**

## विषयसूची

क्रम सं.	विवरण	पृष्ठ/पृष्ठ
1	कार्यकारी सारांश	4-6
2	सामान्य हित समूह का विवरण	6
3	गांव की भौगोलिक स्थिति	7
4.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
5	उत्पादन प्रक्रिया	7-8
6	उत्पादन योजना	8
7	विपणन	9
8	समूह के सदस्यों के बीच उद्यम का प्रबंधन	9
9	<b>स्वोट अनालिसिस</b>	10
10	संभावित जोखिम और उन्हें कम करने के उपाय	10
11	व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	11-12
12	अर्थव्यवस्था का सारांश	12
13	अनुमान लगाना	12-13
14	लाभ लागत विश्लेषण (एक चक्र के लिए)	13-14
15	<b>पैसे की जरूरत</b>	14
	(ए) वित्तीय आवश्यकता समूह	
	(बी) समूह ऑफ फाइनेंशियल रिसोर्सेज	
16	ब्रेक ईवन पॉइंट की गणना	14-15
17	ऋण चुकौती के लिए किस्त योजना	15

## 1. परिचय

हिमाचल प्रदेश भारत के उत्तरी भाग में स्थित एक राज्य है और पश्चिमी हिमालय में स्थित है। इसकी विशेषता कई चोटियों और व्यापक नदी प्रणाली की विशेषता वाले चरम परिदृश्य हैं। हिमाचल प्रदेश को "भगवान की भूमि" के रूप में जाना जाता है और यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश वनस्पतियों और जीवों से समृद्ध है।

हिमाचल प्रदेश में 12 जिले हैं और किन्नौरी राज्य के बारह प्रशासनिक जिलों में से एक है। किन्नौर जिला तीन प्रशासनिक उप-विभागों में विभाजित है, जैसे कल्पा, निचार (भाबा नगर) और पूह और इसमें छह तहसील हैं। जिले का मुख्यालय रिकांग पियो में स्थित है। यह लाहुल और स्पीति के बाद हिमाचल प्रदेश का दूसरा सबसे कम आबादी वाला जिला है। 2011 की जनगणना के अनुसार किन्नौर जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 6401 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या 84121 है।

जिले में 1000 मीटर से लेकर 5000 मीटर की ऊंचाई तक की घाटियाँ हैं। किन्नौर का अधिकांश क्षेत्र अपनी ऊँचाई के कारण समशीतोष्ण जलवायु वाला है। सतलुज घाटी और बसपा घाटी के निचले हिस्से में मानसून की बारिश होती है। किन्नौर जिले के ऊपरी इलाके मुख्य रूप से पूह उपमंडल वर्षा छाया क्षेत्र में आते हैं। इन क्षेत्रों को ठंडा रेगिस्तानी क्षेत्र माना जाता है, जिनकी जलवायु तिब्बत के समान है।

पोल्ट्री उद्योग भारतीय कृषि में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। प्रोटीन का एक बेहतरीन स्रोत होने के कारण अंडा शहरी भारतीयों के बीच तेजी से पसंदीदा बन रहा है। भारत आज दुनिया का चौथा सबसे बड़ा अंडा उत्पादक है। भारत में लेयर सेगमेंट बढ़ने के लिए तैयार है और वर्तमान में इसका अनुमान 10,000 करोड़ रुपये (100 बिलियन रुपये) है। कृषि मंत्रालय के अनुसार, भारत का अंडा उत्पादन प्रति वर्ष 47.3 बिलियन अंडे होने का अनुमान है। आज, अधिक से अधिक 'अंडे के शौकीनों' के बढ़ने के साथ, अंडे की खपत सालाना 8% - 10% की दर से बढ़ रही है। यह छोटे/सीमांत किसानों और कृषि मजदूरों के लिए सहायक आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। पक्षियों से प्राप्त खाद मिट्टी की उर्वरता और फसल की पैदावार में सुधार के लिए कार्बनिक पदार्थ का एक अच्छा स्रोत प्रदान करता है। चूंकि कृषि ज्यादातर मौसमी होती है, इसलिए पोल्ट्री फार्मिंग के माध्यम से कई लोगों के लिए पूरे साल बढ़िया भोजन रोजगार की संभावना है। विशेष रूप से अंडा उत्पादन के लिए पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं के साथ यह और आसपास में तेजी से लोकप्रिय हो गया है। क्षेत्र में वर्तमान मांग अधिक है। यह दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है और क्षेत्र में वर्तमान में मुर्गीपालन करने वालों की संख्या बढ़ती मांग को पूरा करने की स्थिति में नहीं है। इसमें एकीकृत कृषि प्रणाली को अपनाने में वृद्धि, संपर्क खेती, आहार और स्वास्थ्य के बारे में लोगों की जागरूकता, अन्य मांस की तुलना में पोल्ट्री मांस की लागत प्रभावशीलता, इसकी कम वसा सामग्री, बेहतर प्रोटीन गुणवत्ता और लोगों की जीवन शैली में बदलाव भी पोल्ट्री क्षेत्र के शानदार विकास के लिए जिम्मेदार हैं।

**मुर्गीपालन के मुख्य उद्देश्य हैं:-**

i) अण्डों की बढ़ती मांग को पूरा करना।

ii) किन्नौर के गरीब किसानों की आय बढ़ाना।

वीएफडीएस चौरा की महिलाओं ने मशरूम की खेती के बजाय मुर्गी पालन को अपना IGA चुना है, जो पहले 10 पुरुष सदस्यों के समूह द्वारा तय किया गया था। अब, उन्होंने मुर्गी पालन का फैसला किया है और कुछ SHG पहले से ही अपने परिवार के सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए इस गतिविधि में लगे हुए हैं। अब सदस्यों ने इस गतिविधि को IGA के रूप में चुना है ताकि वे अपने खर्चों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त पैसे कमा सकें और मुश्किल समय के लिए कुछ बचत भी कर सकें।<sup>14</sup> पुरुषविभिन्न आयु वर्ग के लोग जेआईसीए परियोजना के अंतर्गत एक स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए एक साथ आए और एक व्यवसाय योजना का मसौदा तैयार करने का निर्णय लिया, जिससे उन्हें इस आईजीए को सामूहिक रूप से लेने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद मिल सके।

प्रस्तावित इकाई उस भूमि के टुकड़े पर स्थित होगी जिसके लिए ग्राम पंचायत चौरा ने इस गतिविधि को शुरू करने के लिए प्रस्ताव/एनओसी दिया और पारित किया है। साइट लगभग समतल है और पहुंच मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ी हुई है। मुर्गी पालन के लिए बिजली एक आवश्यक घटक है क्योंकि यह चूजों के पालन-पोषण के लिए आवश्यक है और पानी की आपूर्ति के साथ-साथ क्षेत्र की रोशनी के लिए पंप का उपयोग किया जाता है। यह फार्म साइट के पास उपलब्ध है। पानी की आपूर्ति के आश्वासन के अभाव में, फार्म पर एक ट्यूबवेल/हैंडपंप प्रस्तावित है। भूमिगत जल पर्याप्त रूप से उपलब्ध है और अच्छी गुणवत्ता का है।

**आवास के लिए,**लेयर के मामले में 1 वर्ग फीट की दर से ब्रूडर-कम-ग्रोवर हाउस के निर्माण का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, फार्म में एक छोटा स्टोर रूम, कार्यालय और नौकरों के लिए क्वार्टर होंगे। घर का निर्माण पक्का होगा और छत पर एस्बेस्टस की छत होगी। बिल्ट इन लेयरिंग नेस्ट के निर्माण का भी प्रावधान किया गया है। ट्यूबवेल की स्थापना और पाइपलाइन बिछाने का काम भी किया जाना है। एक दिन के व्यावसायिक संकर चूजों को पास की हैचरी से लाया जाएगा और चूजों को स्रोत पर ही Rd & Marek के खिलाफ टीका लगाया जाएगा। चूजों को नियमित अंतराल पर लॉट में खरीदा जाएगा।

The चूजों के लिए चारा नज़दीकी बाज़ार से खरीदा जाएगा जहाँ चारा उपलब्ध है या संभव हो तो सीधे फ़ीड कंपनी के ज़रिए उपलब्ध कराया जाएगा। इसी तरह, दवा और पशु चिकित्सा सहायता सुविधाएँ नज़दीकी पशु चिकित्सा विभाग से उपलब्ध कराई जाएँगी।

## 2.एसएचजी/सीआईजी का विवरण

2.1	एसएचजी/सीआईजी नाम	::	सनराइज पोल्ट्री फार्म
2.2	वीएफडीएस नाम	::	चौरा
3	श्रेणी	::	भाभा नगर
3.4	विभाजन	::	किन्नौर
3.5	गाँव	::	चौरा
3.6	अवरोध पैदा करना	::	भाभा नगर
3.7	ज़िला	::	किन्नौर
3.8	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	14-पुरुष
3.9	गठन की तिथि	::	07/01/2022
3.10	बैंक खाता सं.	::	25110114272
3.11	बैंक विवरण	::	को-ऑपरेटिव बैंक बी/नगर
3.12	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	100-(बैठक प्रत्येक माह के 6वें दिन आयोजित की जाएगी)
3.13	कुल बचत	::	
3.14	कुल अंतर-ऋण	::	
3.15	नकद क्रेडिट सीमा	::	
3.16	पुनर्भुगतान स्थिति	::	

## लाभार्थियों का विवरण:

क्र मां क	नाम (श्री/श्रीमती)	पिता/पति का नाम (श।)	आयु	वर्ग	जारी संख्या	पद का नाम	आय स्रोत
1	श्री छिन्ग तंज़िन	श्री राम सैन	35	अनुसूचित जनजाति	9459906613	प्रधान	किसान
2	श्री भारत भूषण	श्री हुकुम चंद	32	अनुसूचित जनजाति	8219414766	सचिव	किसान
3	श्री हरबंस कुमार	श्री ठाकुर सिंह	42	अनुसूचित जनजाति	7807117342	सदस्य	किसान
4	श्री.अनिल कुमार	श्री चंदर सिंह	33	अनुसूचित जनजाति	9805490111	सदस्य	किसान
5	श्री अमित कुमार	श्री ताशी राम	35	अनुसूचित जनजाति	7807022119	सदस्य	किसान
6	श्री नितिन नेगी	श्री भगत सिंह	28	अनुसूचित जनजाति	8263804002	सदस्य	किसान
7	श्री निखिल नेगी	श्री बलवंत सिंह	26	अनुसूचित जनजाति	8219703593	सदस्य	किसान
8	श्री विजय कुमार	श्री गोपी चंद	38	अनुसूचित जनजाति	9736315321	सदस्य	किसान
9	श्री जय सिंह	श्री शंकर दास	31	अनुसूचित जनजाति	8628845113	सदस्य	किसान
10	श्री बीम सैन	श्री मेहर चंद	19	अनुसूचित जनजाति	8544730885	सदस्य	किसान
11	श्री बुध गेन	श्री सुख देव सिंह	27	अनुसूचित जनजाति	8894359758	सदस्य	किसान
12	अभिनव सयोई	श्री नरेन्द्र सिंह	24	अनुसूचित जनजाति	8219246855	सदस्य	किसान
13	सुनील दत्त	श्री.कुंदन दत्त	33	अनुसूचित जनजाति	8894573022	सदस्य	किसान
14	रोभी	श्री गोविंद	24	अनुसूचित जनजाति	787662464	सदस्य	किसान

### 3. गांव का भौगोलिक विवरण:

4.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	67 किमी
4.2	रेंज कार्यालय से दूरी	::	17 किमी
4.3	मुख्य सड़क से दूरी	::	लगभग 250-500 मीटर
4.4	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	::	चौरा और निगुलसारी - 200 मीटर - 4 किमी
4.5	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	::	भाबानगर- 17 किमी, रिकांग पियो -67 किमी और रामपुर- 33 किमी
4.6	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	::	भाबानगर- 17 किमी, रिकांग पियो -67 किमी और रामपुर- 33 किमी
4.7	उन स्थानों/स्थानों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा		आसपास के गांव अर्थातवार्ड नं. 5 (चौरा), वार्ड नं. 6 (शिलानी) और वार्ड नं. 7 (कफौर), निगुलसारी, ज्योरी और झाकड़ी

### 4. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	सूर्योदय पोल्ट्री अंडे
2	उत्पाद पहचान की विधि	यह गतिविधि स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा तय की गई है। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह का एक सदस्य पहले से ही यह गतिविधि कर रहा है। स्थानीय बाजार में इसकी भारी मांग है जिससे अतिरिक्त आय बढ़ेगी।

3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ
---	--	-----

## 5. उत्पादन योजना का विवरण:

प्रारंभ में मुर्गी पालन के प्रोजेक्ट के माध्यम से रिकांगपिओ स्थित पशुपालन विभाग से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। धरमपुर और परवाणू में स्थित निजी हैचरी से भी प्रशिक्षण प्राप्त किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद प्रत्येक मुर्गी कॉप्स और ट्रे आदि के लिए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार परियोजना के पूंजीगत व्यय का 75% अनुदान दिया जाएगा। The समूह ने तय किया है कि शुरू में चूजों को पाला जाएगा और जब वे बड़े हो जाएंगे तो उन्हें खुले और प्राकृतिक वातावरण में पाला जाएगा। इसलिए 18 सप्ताह के बाद जब चूजे का वजन 2 किलो तक हो जाता है और 6 महीने बाद जब चूजे बड़े हो जाते हैं तो वे अंडे देने लगते हैं। चिकन की भारी मांग स्थानीय बाजार में मांस और अंडे . विपणन समूह के सभी सदस्यों के लिए कोई समस्या नहीं होगी। प्रत्येक सदस्य की मार्केटिंग की जाएगी मुर्गी, चूजे और अंडे का पालन किया। कार्य को विभाजित करके सामूहिक रूप से स्थानीय बाजार में करेंगे, उसके बाद ब्रायलर मुर्गी व देसी मुर्गियों के अंडों की भी मार्केटिंग करेंगे.

### उत्पादन की योजना बनाना

**: पहला दौर**

**कार्य दिवस** दिन 365:

शाम के और (सुबह में एक घंटा, घंटा 1 घंटों में से 2 प्रतिदिन) व्यक्तियों 14: **कार्यरत व्यक्ति**  
(समय)

हथियार स्थित मुर्गी और अन्य समान के लिए पोल्ट्री फार्म परवाणू: **कच्चा माल चिकन और**  
**. धरमपुर हैं**

**: अन्य संसाधनों का स्रोत** चौरा और रामपुर में स्थानीय हैचरी

**आवश्यक सामग्री** : टुकड़े 720

**: अनुमानित उत्पादन** संख्या में मुर्गियां चिकन मांस के लिए 360 = 12x30  
! तैयार होंगी

अंडे प्रति माह 9000 = 25x 360

**: चक्र में कुल अंडा उत्पादन** 54000 = 6x 9000

6.1	समय लिया	::	ऊपरोक्त अनुसार
6.2	शामिल सदस्यों की संख्या	::	14
6.3	कच्चे माल का स्रोत	::	परवाणू, धरमपुर, चौरा और रामपुर में स्थानीय हैचरी
6.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	चौरा और रामपुर में स्थानीय हैचरी
6.5	उत्पादन चक्र (दिनों में) 4-5 घंटे/दिन कार्य के पश्चात 30 दिन प्रतिदिन।	::	360 की संख्या $ch = 12 \times 30$ अंडे प्रति माह $9000 = 25 \times 360$
6.6	प्रति चक्र आवश्यक श्रमिक (संख्या)	::	<b>मुन्नाअल-14 सदस्य</b>

## 6. कच्चे माल की आवश्यकता और अनुमानित उत्पादन

### 1. विपणन/बिक्री का विवरण:

7.1	संभावित बाजार स्थान/स्थान	::	कवर किए गए गाँव - भाबानगर, रिकांग पियो और रामपुर, निगुलसारी, जियोरी, झाकरी, शिलानी, कफौर और चौरा
7.2	माँग	::	वर्ष भर इसकी माँग रहती है तथा त्यौहारों और विवाह के अवसरों पर इसकी माँग अधिक रहती है।
7.3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/रेस्तरां और होटलों से संपर्क करेंगे।
7.4	विपणन रणनीति	::	कवर किए गए गाँव - भाबानगर, रिकांग पियो और रामपुर, निगुलसारी, जियोरी, झाकरी, शिलानी, कफौर और चौरा
7.5	उत्पाद का ब्रांड	::	सनराइज पोल्ट्री फार्म

### 2. समूह के सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण:

- प्रबंधन के लिए नियम बनाये जायेंगे।
- समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का वितरण करेंगे।
- आबंटन कार्य की दक्षता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा।
- लाभ का वितरण भी कार्य की गुणवत्ता, कौशल एवं परिश्रम के आधार पर किया जाएगा।
- मार्केटिंग में अनुभव रखने वाले 04 सदस्य बारी-बारी से मार्केटिंग करेंगे।
- प्रधान और सचिव प्रबंधन का मूल्यांकन और निरीक्षण करते रहेंगे।

### 3. ग्राहकों

हमारे केंद्र के प्राथमिक ग्राहक अधिकतर हॉगोस्थानीय लोगों के लिए, चौरा, रिकांगपिओ, ज्योरी और रामपुर गांवों के आसपास रेस्तरां और होटल उपलब्ध हैं, लेकिन बाद में इस व्यवसाय को आस-पास के छोटे कस्बों में भी बढ़ाया जा सकता है।

### 4. केंद्र का लक्ष्य

केंद्र का मुख्य उद्देश्य प्रदान करना है विशेष रूप से चौरा गांव के निवासियों और आसपास के गांवों के सभी निवासियों को उच्च गुणवत्ता वाले और ताजे अंडे और मुर्गियां उपलब्ध कराना।

यह केंद्र आने वाले वर्षों में अपने परिचालन क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ सबसे प्रतिष्ठित पोल्ट्री फार्म बन जाएगा।

### 5. स्वोट अनालिसिस

#### ❖ ताकत

- ➔ मुर्गीपालन में ऐसे देश की प्रोटीन आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता है, जहां कुपोषण व्याप्त है - क्योंकि अंडे/ब्रायलर दोनों ही प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं।
- ➔ ग्रामीण जनता की आय बढ़ाने में मदद करता है। इस प्रकार ग्रामीण आबादी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

- ➔ मुर्गीपालन, पौधों के उत्पादों/अपशिष्टों को खाद्य पदार्थों में परिवर्तित करने के सबसे कुशल तरीकों में से एक है, जो कुछ हद तक कुपोषण की समस्या से निपट सकता है, विशेष रूप से भारत जैसे देश में।
- ➔ अन्य मांस (गौमांस, सूअर) के विपरीत, जिन पर धार्मिक प्रतिबंध हैं, चिकन भारत में व्यापक रूप से स्वीकार्य है और यह बकरी के मांस से सस्ता है।
- ➔ पोल्ट्री कूड़े में उच्च खाद मूल्य होता है और इसका उपयोग कृषि गतिविधियों में किया जा सकता है।
- ➔ इसमें गैर-कृषि रोजगार सृजित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन को रोकने की जबरदस्त क्षमता है।
- ➔ कम निवेश आवश्यकताओं के साथ अपेक्षाकृत शीघ्र रिटर्न उत्पन्न करता है।

#### ❖ कमजोरी

- ➔ मुर्गीपालन श्रम प्रधान है।
- ➔ पोल्ट्री उद्योग की एक विशेष विशेषता यह है कि यह अत्यधिक विखंडित है।
- ➔ खराब परिवहन, बुनियादी ढांचे और कोल्ड चेन सुविधाओं की कमी के कारण वर्तमान में बड़ी मात्रा में ठंडे या जमे हुए उत्पादों को संभालना संभव नहीं है।
- ➔ कम उत्पादन लागत के साथ-साथ शेड, फीडर, ब्रीडर, हीटिंग और कूलिंग सिस्टम जैसे बुनियादी ढांचे में निवेश की लागत के कारण किसानों की आय कम हो जाती है।
- ➔ कठोर मृत्यु दर मानदंड (अधिकांश एकीकरण अनुबंधों में केवल 5% मृत्यु दर की अनुमति है - अन्यथा किसान को दंडित किया जाता है और उसे कम दर की पेशकश की जाती है) किसानों को असुरक्षित स्थिति में छोड़ देता है और उनके पास अपनी शिकायतें व्यक्त करने का कोई रास्ता नहीं होता है।

#### ❖ अवसर

- ➔ वर्तमान प्रति व्यक्ति अन्य मांस (बीफ़, पोर्क) के विपरीत, जिन पर धार्मिक प्रतिबंध हैं- चिकन भारत में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है और बकरी के मांस से सस्ता है। भारत में खपत दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है, इसलिए मुर्गी पालन के लिए बड़ी गुंजाइश है।
- ➔ इसके अलावा, भारत के पास अंतर्राष्ट्रीय बाजार का दोहन करने की भी काफी क्षमता है।
- ➔ संतुलित पोषण की आवश्यकता के बारे में बढ़ती जागरूकता के कारण खाने की आदतों में बदलाव आया है और अन्य सभी की तुलना में शाकाहारियों ने अंडे को अपने आहार का हिस्सा बना लिया है।

#### खतरे/जोखिम

- ➔ प्राकृतिक आपदाएँ
- ➔ यदि पर्याप्त स्वास्थ्य संबंधी सावधानियाँ नहीं बरती गईं तो संक्रामक/संक्रामक बीमारियाँ फैल सकती हैं। हाल ही में एवियन फ्लू ने पूरी दुनिया में दहशत की लहर फैला दी है। पोल्ट्री उद्योग

को प्रभावित करने वाले अन्य पहलू हाल ही में सार्स और इबोला तथा तपेदिक और मलेरिया जैसी पुरानी बीमारियाँ हैं।

- ➔ मुख्य खाद्य सामग्री यानी मक्का की कमी, जो कि खाद्य राशन का 50 प्रतिशत से अधिक है। इसलिए, लागत में थोड़ी सी भी वृद्धि लाभ को खत्म कर सकती है।

## 6. संभावित चुनौतियों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय:

क्रमांक	जोखिमों का विवरण	::	जोखिम न्यूनीकरण के उपाय
6.1	यह संभव है कि बाजार में मांग कम हो जाए, जिससे बिक्री और आय प्रभावित हो।	::	विपणन उद्देश्य के लिए अतिरिक्त बाजार की खोज की जानी चाहिए।
6.2	उत्पादन की गुणवत्ता में गिरावट के कारण बिक्री कम हो सकती है।	::	उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को सख्त दिशानिर्देशों का पालन करना होगा।

## 7. मशीनरी, औजार और अन्य उपकरण

### क. मूल बातें और पूर्वधारणाएं

क्र.सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
<b>I.</b>	<b>तकनीकी-आर्थिक मापदंड</b>		
1	पक्षियों की संख्या	नहीं।	1000
2	प्रति वर्ष बैच	नहीं।	2
3	बैच का आकार	संख्या.	500
4	अंडे देने के लिए विचारित पक्षी	संख्या.	500
5	वध हेतु विचारित पक्षी	संख्या.	450
6	ब्रूडिंग एवं वृद्धि अवधि (सप्ताह में)		20
7	अंडे देने की अवधि सप्ताहों में		52
8	आवास का प्रकार		गहरा कूड़ा
9	ब्रूडर सह गोवर हाउस में प्रति पक्षी आवश्यक स्थान	वर्ग फुट	1
10	लेयर शेड में प्रति पक्षी फर्श स्थान (पिंजरा प्रणाली)	वर्ग फुट	0.8
11	पुनर्भुगतान की अवधि	वर्ष	5
12	बैंक ऋण के लिए ब्याज दर	%	12

**II. व्यय मानदंड**

1	ब्रूडर सह ग्रावर शेड के निर्माण की लागत	रु./वर्ग फीट	125
2	लेयर शेड के निर्माण की लागत	रु./वर्ग फीट	140
3	स्टोर रूम के निर्माण की लागत	रु./वर्ग फीट	250
4	लेयर्स के लिए पिंजरों की लागत	रुपये/पक्षी	90
5	फीडर, वाटरर और ड्रेसिंग उपकरण	रु.	20
6	एक दिन के चूजों की कीमत	रुपये/पक्षी	40
7	अंडे देने के दौरान आहार की आवश्यकता - 52 सप्ताह अंडे देने के दौरान	रुपये/पक्षी	21
8	उत्पादकों के दौरान आहार की आवश्यकता-20 सप्ताह	रुपये/पक्षी	6
9	चिकन/ग्रावर मैश	रुपये/किग्रा	14
10	लेयर मैश की लागत	रुपये/किग्रा	12
11	दवा, टीका, श्रम एवं विविध शुल्क	रुपये/पक्षी	8
12	बीमा	रुपये/पक्षी	1
<b>III. आय मानदंड</b>			
1	प्रति पक्षी उत्पादित अंडों की संख्या	प्रति चक्र अंडे	300
2	अंडे का विक्रय मूल्य	रु./अंडा	3
3	मारे गए पक्षियों का विक्रय मूल्य	रुपये/पक्षी	70
4	खाद एवं बोरियों से आय	रुपये/पक्षी	22

एक।	पूंजीगत लागत			
क्रमांक।	मशीनरी का विवरण.	मात्रा	प्रति यूनिट दर	कुल राशि
1.	आवास की लागत (1 वर्ग फीट/पक्षी)	100	3000	3,00,000

	(60*12=720 वर्ग फीट)			
2.	कुरोइलर चूजों की कीमत (एक दिन की उम्र)	2000	45	90000
3.	ब्रूडर सह ग्रीवर उपकरण	500	30	15000
4.	घर बनाना	750	100	75000
5.	जल आपूर्ति प्रणाली	रास	रास	12000
6.	परिवहन की लागत	-	30000	30000
<b>कुल पूंजी लागत</b>				<b>5,22,000</b>

**बी। आवर्ती लागत**

क्रमांक।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति यूनिट दर (रु.)	राशि (रु.)
1.	एक दिन के चूजों की कीमत	रुपये/पक्षी	500	40	20000
2.	पहले दो बैचों के लिए उत्पादक चारा	क्यूटीएल.	12	2600	31200
3.	चूजों को 1 से 4 सप्ताह तक आहार दें	क्यूटीएल.	4	3000	12000

4.	लेयर मछलियाँ 20 से 52 सप्ताह तक भोजन करती हैं	क्यूटीएल.	20	2700	54000
5.	अंडे की पैकिंग/ट्रे	संख्या	2400	5	12000
6.	दवा, टीका, श्रम और विविध शुल्क	रुपये/पक्षी	500	10	5000
7.	गाड़ी/ परिवहन	रास	रास	रास	10000
8.	<b>बीमा</b>	%	500	1	500
	<b>कुल</b>				<b>1,44,700</b>

### 7. महीने में कुल उत्पादन और बिक्री राशि

चूंकि यह एसएचजी में उनके नियमित घरेलू काम के अलावा एक अतिरिक्त गतिविधि है, इसलिए परिणाम प्रत्येक सदस्य के काम के घंटों के अनुपात में होगा। हमेशा शुरुआत में उत्पादन को रूढ़िवादी पक्ष पर रखना बेहतर होता है जिसे हमेशा समय बीतने और कार्य अनुभव के साथ बढ़ाया जा सकता है।

सी)	कुल बिक्री			
क्रमांक	विशिष्ट	मात्रा	दर (₹.)	राशि (₹.)
1	अंडे	20000	6	1,80,000
2	मांस/चिकन	500	400	2,00,000
	<b>कुल (सी)</b>			<b>3,80,000</b>

विवरण	कुल राशि (₹.)	परियोजना योगदान (75%)	एसएचजी योगदान (25%)
कुल पूंजी लागत	5,22,000	3,91,500	1,30,500
आवर्ती लागत	1,44,700	-	1,44,700
<b>कुल</b>	<b>6,66,700</b>	<b>391500</b>	<b>2,75,200</b>

एक माह में कुल बिक्री = 1,87,500

हालाँकि, रुपए की राशि 3,91,500 परियोजना सहायता है इसलिए गणना के उद्देश्य से इस राशि को व्यय कॉलम से सुरक्षित रूप से घटाया जा सकता है और शुद्ध आय को फिर से फिर से डाला जा सकता है। इसके अलावा, SHG के सदस्य सामूहिक रूप से काम करेंगे इसलिए उनकी मजदूरी को ध्यान में नहीं रखा गया है। महीने के अंत में शुद्ध आय को निम्नानुसार फिर से डाला जाता है:

<b>पूंजीगत लागत</b>		
विवरण	मात्रा	एसएचजी योगदान
पूंजीगत लागत	5,22,000	1,30,500
<b>आवर्ती व्यय</b>		
i) प्रति माह पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यहास	5000	
i) सामग्री लागत आदि पर अन्य व्यय।	144700	
<b>कुल</b>	<b>149700</b>	
<b>कुल लागत</b>	<b>130500+149700=2,80,200</b>	
<b>पहले महीने में कुल बिक्री</b>	<b>3,80,000</b>	

शुद्ध लाभ	99,800	
-----------	--------	--

## 8. लाभ का बंटवारा

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने आपसी सहमति से यह निर्णय लिया है कि प्रथम माह में प्रत्येक सदस्य को 4,000 रुपये आय के रूप में दिए जाएंगे तथा शेष 43,800 रुपये का लाभ उनके बैंक खाते में आपातकालीन आरक्षित निधि के रूप में रखा जाएगा, ताकि भविष्य में किसी आकस्मिक आवश्यकता की पूर्ति की जा सके।

## 9. समूह में निधि प्रवाह:

क्रमांक।	विवरण	कुल राशि (₹.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	5,22,000	3,91,500	1,30,500
2	कुल आवर्ती लागत	1,44,700	-	1,44,700
3	प्रशिक्षण	80000 (2 प्रशिक्षण के लिए)	80,000	0
	<b>कुल परिव्यय</b>	<b>7,46,700</b>	<b>4,71,500</b>	<b>2,75,200</b>

### टिप्पणी-

- पूंजीगत लागत -कुल पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा
- आवर्ती लागत- पूरी लागत का वहन कंपनी द्वारा किया जाएगा।एसएचजी/सीआईजी.
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन – कुल लागतपरियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

## 8. धन और खरीद के स्रोत:

परियोजना समर्थन;	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पूंजीगत लागत का 75% हिस्सा मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा।</li> <li>• स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में एक लाख रुपये तक की</li> </ul>	<p>सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद मशीनों की खरीद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा</p>
------------------	---	---

	<p>धनराशि परिक्रामी निधि के रूप में जमा की जाएगी।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।</li> </ul>	की जाएगी।
एसएचजी योगदान	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पूंजीगत लागत का 25% हिस्सा स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा।</li> <li>• आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी</li> </ul>	

## 9. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और विपणन
- वित्तीय प्रबंधन

## 10. ऋण चुकौती अनुसूची-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

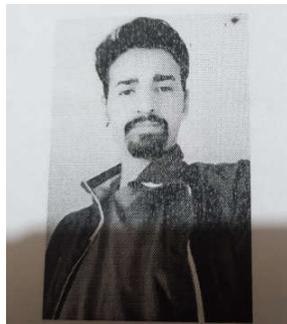
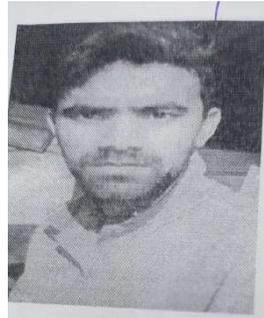
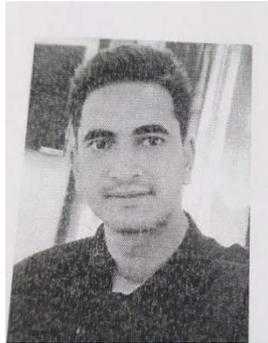
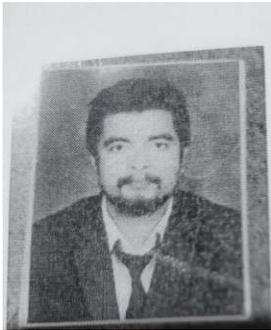
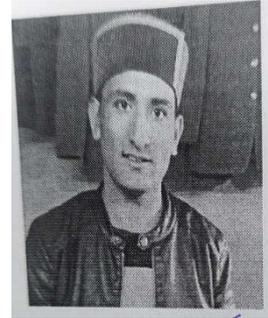
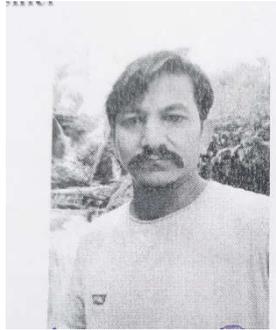
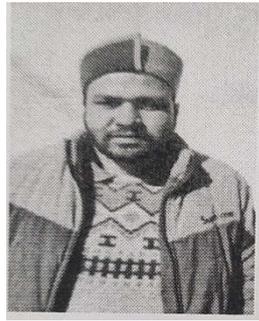
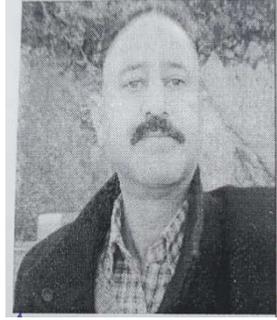
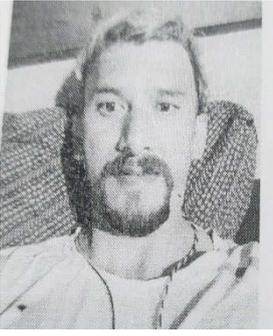
- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

### 11. निगरानी विधि-

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए ताकि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

### 12. टिप्पणी

## समूह सदस्यों की तस्वीरें-



## समूह का सहमती पत्र

आज दिनांक 10-04-2023 सन राईज स्वयं सहायता समूह चौरा में बैठक हुई यह बैठक प्रधान श्री छेरिंग ताविजन के अध्यक्षता में हुई। आज बैठक में यह चर्चा की सभी सदस्य ने यह निर्णय लिया की जायका वन विभाग की तरफ से जो धनराशी मिलेगी उसका उपयोग मुर्गा पालन करना सीखने के लिए किया जाएगा। जिसके लिए सभी सदस्यों की सहमती प्रकट की है। इस बैठक में सभी सदस्यों ने भाग लिया।

**President** *Chera*  
**Sunries Poultry Farm**  
**Chaura**  
समूह के प्रधान के हस्ताक्षर

**Secretary** *Blu*  
**Sunries Poultry Farm**  
**Chaura**  
समूह के सचिव के हस्ताक्षर

Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management and Livelihoods

**Memorandum of Understanding**

Between

The Chaura..... Village Forest Development Society/ BMC Sub Committee

And

The Forest Department (represented by DFO Kinnaur) for Participatory Forest Management.

Whereas

The Chaura..... Village Forest Development Society/ BMC Sub-Committee (hereinafter called "Society") has been constituted as per procedure described in the HP PFM Regulations notified by Govt. of HP vide No. FFE-C (9) 1/2001 dated 23.8.2001 and vide No.FFE-B-F (5) 5/2016- Pam III dated 19.11.2018, by the Villagers of Chaura village Forest Development Society/ BMC Sub-Committee in district Kinnaur and Forest Division Kinnaur, Himachal Pradesh and has an elected Executive Committee (hereinafter called "EC"),

as part of the Japan International cooperation Agency (JICA) supported "Project For Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management and livelihoods" (hereinafter called "Project") the Micro plan (Forest Ecosystems Management Plan & Community Development & Livelihood Improvement Plan) for Forest Management and Community Development (hereinafter called "Plan") for Forest protection, rehabilitation and management of the specified forest areas has been jointly prepared by the Society and the Forest Division

the Plan contains details of program for conservation, management and development of forest areas, Biodiversity conservation, Livelihood improvement works and also the description of equitable distribution of usufructs obtained from allocated forest areas and public resources of the ward/village;

the Plan has been approved by the Officer in Charge of the Forest Division (here in after called "Forest Officer") on behalf of Government of Himachal Pradesh;

Now here with

The Kinnaur..... Forest Division and the Society have mutually agreed on this MoU, and consequently. This MoU is executed with the following articles;

**1. Purpose of the Memorandum of Understanding**

This Memorandum of Understanding (hereinafter called ~~Man~~) details the responsibilities of the Society regarding management and protection of forest areas) and village(s) resource development, in the manner specified in the Plan and for equitable distribution of benefits amongst its members. It further details payments and support to be provided by the project and the associated conditions.

2) Responsibilities of the Society

- 2.1 With regard to its Constitution, working, powers, duties and benefits, the Society agrees to act in accordance with the HP Government Notification No. FFE-B-F (9) 1/2001 dated 23.8.2001 and vide No.FFE-B-F (5) 5/2016- Part- III dated 19.11.2018, and other relevant Government orders and instructions.
- 2.2 The Society agrees to provide all necessary assistance to the Forest Officer in selection of forest area(s) to be allotted to it for forest management and development so that there is no dispute regarding areas of common use of nearby villages.
- 2.3 The Society agrees to prepare and submit general house approved, quarterly physical & financial plans with budget requirements to FTU concerned for releasing funds after Plan's approval from PMU.
- 2.4 The Society agrees to identify Community Development Activities (CDAs) in conformity with the CDA guidelines, decide on these through a consultative process and implement them according to the relevant standards as applicable.
- 2.5 The Society agrees to carry out works laid out in the Plan for the forest area (such as planting, fencing, maintenance and protection) and in doing so, follow the principles of management of forest and wildlife specified therein, also taking into account the guidelines of the Government, prevalent legal provisions and technical principles. The Society will ensure that no existing acts/rules of forest/wildlife management are being violated.
- 2.6 The Society agrees to contribute membership fee through its members/user groups. The amount with interest will be available to VFDS/BMC (Sub-Committee) after project closure and can be used by VFDS/BMC (Sub-Committee) consensus. The amount deposition to be done within six months.
- 2.7 The Society agrees, after completion of the related works, to protect the forest area from fire, illicit grazing, illicit felling, and illicit transport. Illicit mining, encroachments and poaching and shall help the forest department in this regard.
- 2.8 The Society agrees to pass the information regarding person(s) engaged in banning the wild animals and forests or those engaged in illegal activities on to the Forest Department. The Society agrees to help forest employees in apprehending such person(s) and provide all possible assistance in protecting any seized produce etc.
- 2.9 The Society agrees to rectify any shortcomings found during review of its works by the Forest Officer/monitoring agency.
- 2.10 The Society agrees to keep accounts of income and expenditure of the funds from various sources and also to get regular annual audits done by the agency assigned by the Forest Officer.
- 2.11. The Society agrees to maintain the records specified by the project regularly and in prescribed formats.
- 2.12. The Society agrees that the distribution of products and services generated as a result of implementation of the Plan among its members/User Groups is done in an equitable manner. If the Forest Officer points out any mismanagement or irregularity in the equitable distribution of such products and services, then the

2. Society agrees to implement the necessary corrections/improvements suggested by the Forest Officer.

2.13. Society agrees to ensure that there will be no miss utilization of funds provided by Forest Department for implementing project activities.

2.14. Society will open two accounts of VFDS/BMC (Sub-Committee), One for FEMP implementation (FE Account) and second one as; revolving fund under Livelihood activities (CD&LI Account).

2.15 The funds and maintenance of account would be in accordance with Para-36 to 43 of the Bye-laws notified by Govt. on dated 19-11-2018 for VFDS under the Project.

### 3. Responsibilities of the Forest Department

3.1. The Forest Department will provide to the Society the related input materials required to carry out the works specified in the Plan, such as saplings, fencing materials, etc. in a timely manner.

3.2. The Forest Department will provide the payments specified in the Plan to the Society for implementation of works carried out in the forest area on the basis of the Plan in a timely manner. The Society to prepare and submit general house approved, six monthly physical & financial plans with budget requirements to DMU through FTU concerned for release of funds. DMU to release the fund to the VFDS/BMC (Sub-Committee)

3.3. Funds from other department's schemes as the Panchayat may be able to garner/converge, may also be used for activities that help meet the project's objectives.

3.4. The Forest Department shall provide the necessary advice and guidance to the Society for implementation of works carried out in the forest area on the basis of the Plan.

3.5 The Forest Department shall NOT be responsible for any loss in any of the works related to implementation of the Plan and no claim of any sort can be presented against Forest Department.

3.6 Forest Department will take legal action against any mis appropriation of fund by VFDS/BMC (Sub-Committee).

### 4. Support by the Project

4.1. The Project will provide funds for Community Development & Livelihood activities (CDAs) identified by the Society and in conformity with the CD&LIP guidelines, which will be implemented by the Society.

4.2. The Project will provide to the Society if required the related input/materials required to carry out the works specified in the Plan, such as saplings, fencing materials, etc. in the required qualities and quantities.

4.3. The Project will provide to the Society the payments specified in the Plan for implementation of works carried out in the PFM area on the basis of the Plan.

4.4. The Project will provide to the Society members training and other capacity building measures, as well as support for income generating activities as specified in the Plan.

4.5. The funds earmarked for Plantations, soil and water conservation, Biodiversity conservation etc. will be credited into the VFDS/BMC (Sub-Committee) bank account according to six-month plan requirement (prepared from a Micro plan) of VFDS/BMC (Sub-Committee). In addition, VFDS/BMC (Sub-Committee) to open an account for Livelihoods activity.

4.6. Payment and receipt of project funds will be strictly by means of cheques online payment/RTGS etc. or bank transfers to the account of the Society. Society will further distribute fund similarly.

#### 5. Rights and Benefit Sharing

5.1. The Rights of right holders as admitted in the Forest Settlement will remain unaffected due to constitution of the Society and will continue to be exercised as heretofore.

5.2. The Benefits which Society members and their user groups will be entitled to after closure of plots / patches in the forest for various project interventions are as follows:

i) to collect the yield such as fallen twigs, branches, lopping, grass, bamboos, fruits, flowers, seeds, leaf fodder and non-timber forests products free of cost through individual or collective arrangements as decided by the Society;

ii) to the sale proceeds of all intermediate harvest, subject to protection of forest and plantations for at least 3 years from the date of agreement;

iii) to organize and promote vocational activities related to forest produce and land; and other activities such as promotion of self-help groups which may provide direct benefits, including micro-lending to women. None of the activities so promoted shall affect the legal status of the forest land;

iv) recorded rights over the forest shall not be affected by these benefits;

v) after 5 years, the Society may expand the area, on the basis of a fresh agreement deed, by inclusion of adjoining or nearby areas;

vi) to utilize at least 40 percent of the sale proceeds on forest regeneration activities including soil and water conservation.

provided that for the purpose of usufruct, the usufruct sharing family shall be one unit.

5.3 The Society will be entitled to their share of payments from intermediate and final felling,

whenever they take place in this forest, as laid out in the PFM Regulations of HP, 2001,

#### 6. Monitoring & Evaluation

6.1 Monitoring and Evaluation of project activities will be done at different levels, including by the EC, a participatory monitoring committee and an independent third party apart from Project authorities.

6.2. The EC of VFDS/BMC (Sub-Committee) or any of its members will monitor progress and quality of work during execution of various works. The Member Secretary will record the date, places and names of EC members who checked the work(s) and whether works were satisfactory and any instructions given.

- 6.3 A participatory monitoring committee made up of members of the Society, a member from the Panchayat as well as a representative from the Forest Department (e.g. Deputy RO) will on quarterly basis review objectives, inputs and work progress and report to the whole Society. Their reports will then be sent to the Forest Officer for further action.
- 6.4 Where Society groups have carried out or are responsible for activities like social fencing, fire prevention, plantations or maintenance of plantations, annual monitoring will be carried out by Project-approved monitors (Third Party) and the results of this monitoring linked to release of payments, a) for social fencing in lieu of barbed wire fencing, b) for fire prevention as specified in the Plan and c) for survival in forest plantations as given in the agreed to norms for that activity.
- 6.5 Settlement of Disputes: Settlement of disputes and conflict resolution will be governed as laid out under para 47, 48 and 49 of the Bye Laws notified by GoHP.

**Memorandum of Understanding**

We are aware that the benefits mentioned in this agreement shall be available to the Society only when it discharges its duties, responsibilities and works in a satisfactory manner and this is certified by the Forest Officer every year. However, if the Forest Officer fails to fulfill conditions mentioned in Para 3 and 4 of this agreement and this is a cause for the Committee not able to discharge its responsibilities and works, and then it will be kept in mind while evaluating the works of the Committee every year.

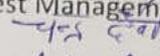
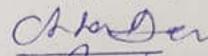
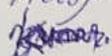
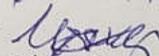
I Harban....., President, N.F.S. Chaura..... Joint VFDS/BMC

(Sub-committee), declare on behalf of the Society, that I am committed to follow all the conditions mentioned in this MOU and am signing this memo after reading/understanding all conditions mentioned herein, literally and I understand their original meaning.

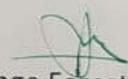
(Name and Signature of the President)  
On behalf of VFDS/ BMC (Sub-committee)

  
Divisional Forest Officer  
Kinnaur Forest Officer  
On behalf of HPFD)

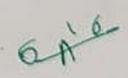
Witness: Village Forest Development Society /BMC(Sub-committee) and the Forest Department for Participatory Forest Management.

1. Chandar Devi 
2. Chhoring Naoju 
3. Naveen 
4. 

1. Akshay Kana, (Position) undertake, on behalf of Kinnaur Division Forest Department to implement all duties responsibilities of the Forest Department mentioned in this memorandum.

  
Range Forest Officer  
Kinnaur Range  
Distt. Kinnaur (H. P.)

(Name and Signature of the Divisional Forest Officer or other officer authorized by him) On behalf of Kinnaur Forest Department.

  
Kinnaur Forest Division  
At R/Peo

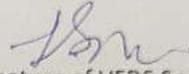
**Business Plan Approval by VFDS & DM**

Sam Rize Self help group will undertake the Poultry Farm  
As livelihood generation activity under the project for improvement of Himachal Pradesh  
Forest Ecosystems & management & livelihood (JICA Assisted). In this regard business plan  
of amount (Rs.) 7,46,702/- has been submitted by this group on dated -----  
----- and this business plan has been approved by Chaura VFDS. Business  
Plan with SHG resolutions being submitted to DMU through FTU for further action, please.

Thankyou



Signature of VFDS Pradhan  
ग्राम वन विकास समिति चौरा  
तडो निवार, जिला किन्नौर, हि०प्र०



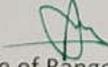
Signature of VFDS Secretary  
ग्राम वन विकास समिति चौरा  
तडो निवार, जिला किन्नौर, हि०प्र०



Signature of Forest Guard



Signature of Block forest officer



Signature of Range Forest officer  
**Range Forest Officer**  
**Bheba Singh**  
**Distt. Kinnaur (H. P.)**

Approved



DMU -cum-  
Deputy conservator forests,  
Kinnaur Division at R/Peo

**Resolution –cum-group consensus form**

It is decided in the general house meeting of the Self Help Group Sunrise..... Held on  
..... at Chaura..... that our self help group will undertake the  
Poultry Farm..... as livelihood income generation activity under the project for  
improvement of Himachal Pradesh.

Forest Ecosystem Management & Livelihoods. (JICA Assisted.)

**President** Cheri  
**Sunries Poultry Farm**  
**Chaura**  
Signature of Group Pradhan

**Secretary** Prad  
**Sunries Poultry Farm**  
**Chaura**  
Signature of Group Secretary